रखवाले | by Rajendra Agarwal Dei

जिसने तेरे दर पे शीश झुकाया
उसको तूने अपने गले लगाया
क्या क्या तूने उसको नहीं दिया है
जिसने भी दिल से कहा है
मेरी बगिया के रखवाले श्याम खाटूवाले

जबसे मिला है तेरा ठिकाना
आसान हुआ है जीवन चलाना
रहती थी पहले मुश्किल बड़ी ही
पर अब मिला खुशियों का खज़ाना
तू खोले बंद किस्मत के ताले
बगिया के रखवाले श्याम खाटूवाले

कहदे जो इक बार तुझसे कन्हैया
बन जाता है तू उसका खिवैया
कैसी भी लहरें कैसी भी मुश्किल
छू भी नहीं सकती उसको नैया
जब सांवरा खुद उसको संभाले
बगिया के रखवाले श्याम खाटूवाले

जब सारी दुनिया हो तेरे विपरीत
आना शरण श्याम की हो समर्पित
राजू पे गुज़री है ये हकीकत
श्याम सहारा कर देगा हर्षित
बोल तो दे एक बर बावले
बगिया के रखवाले श्याम खाटूवाले
मेरी बगिया के रखवाले श्याम खाटूवाले

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%96%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%87-by-rajendra-agarwal-de/